Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

समकालीन विश्व राजनीति

अध्याय - 3

समकालीन दक्षिण एशिया

भाग - 2

Satyaveer Yadav

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

पाकिस्तान की सेना और लोकतंत्र

- पहला संविधान बनने के बाद शासन की बागडोर जनरल अयूब खान के हाथों में
  - अपना निवार्चन भी करवाया
  - जनता का गुस्सा भड़का अपना पद छोड़ना पडा
- जनरल याहिया खान ने शासन की बागडोर संभाली
  - 1971 में बाग्लादेश संकट का सामना
  - भारत से युद्ध
  - पूर्वी पाकिस्तान स्वतंत्र राष्ट्र बांग्लोदश
- जुल्फीकार अली भुट्टो के नेतृत्व में निर्वाचित सरकार बनी
  - 1971 से 1977 तक कायम
  - 1977 में जनरल जियाउल हक़ ने इस सरकार को गिराया
  - 1982 मके बाद जियाउल हक को लोकतंत्र समर्थक आंदोलन का सामना करना पड़ा
- 1988 में एक बार फिर बेनजीर भुट्टो के नेतृत्व में सरकार
  - 1999 तक निर्वाचित लोकतंत्र की यह अवस्था कायम
    - 1999 जनरल परवेज मुशर्रफ ने प्रधानमंत्री को हटाया
    - 2001 में अपना निर्वाचन राष्टपति के रूप में करवाया
    - 2008 से पाकिस्तान में लोकतांत्रिक तरीके से चुने गए नेता शासन कर रहे है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

पाकिस्तान में लोकतंत्र स्थायी न रह पाने कारण :-

- यहाँ सेना धर्मगुरु और भू-स्वामी अभिजनों का सामाजिक दबदबा है।
- इसी वजह से यहाँ निर्वाचित सरकारों को गिरा सैनिक शासन कायम हुआ ।
- पाकिस्तान की भारत के साथ तानातानी।
- इस वजह से सेना-समर्थक समूह ज्यादा मजबूत है।
- ये समूह दलील देते हैं कि पाकिस्तान के राजनीतिक दलों और लोकतंत्र में खोट है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- राजनीतिक दलों के स्वार्थसाधन तथा लोकतंत्र की धमाचौकड़ी से पाकिस्तान की सुरक्षा को खतरा है।
- पाकिस्तान में लोकतांत्रिक शासन चले इसके लिए कोई खास अंतर्राष्ट्रीय समर्थन नहीं मिलता।
- अमरीका तथा अन्य पश्चिमी देशों ने अपने-अपने स्वार्थों से पाकिस्तान में सैनिक शासन को बढ़ावा दिया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

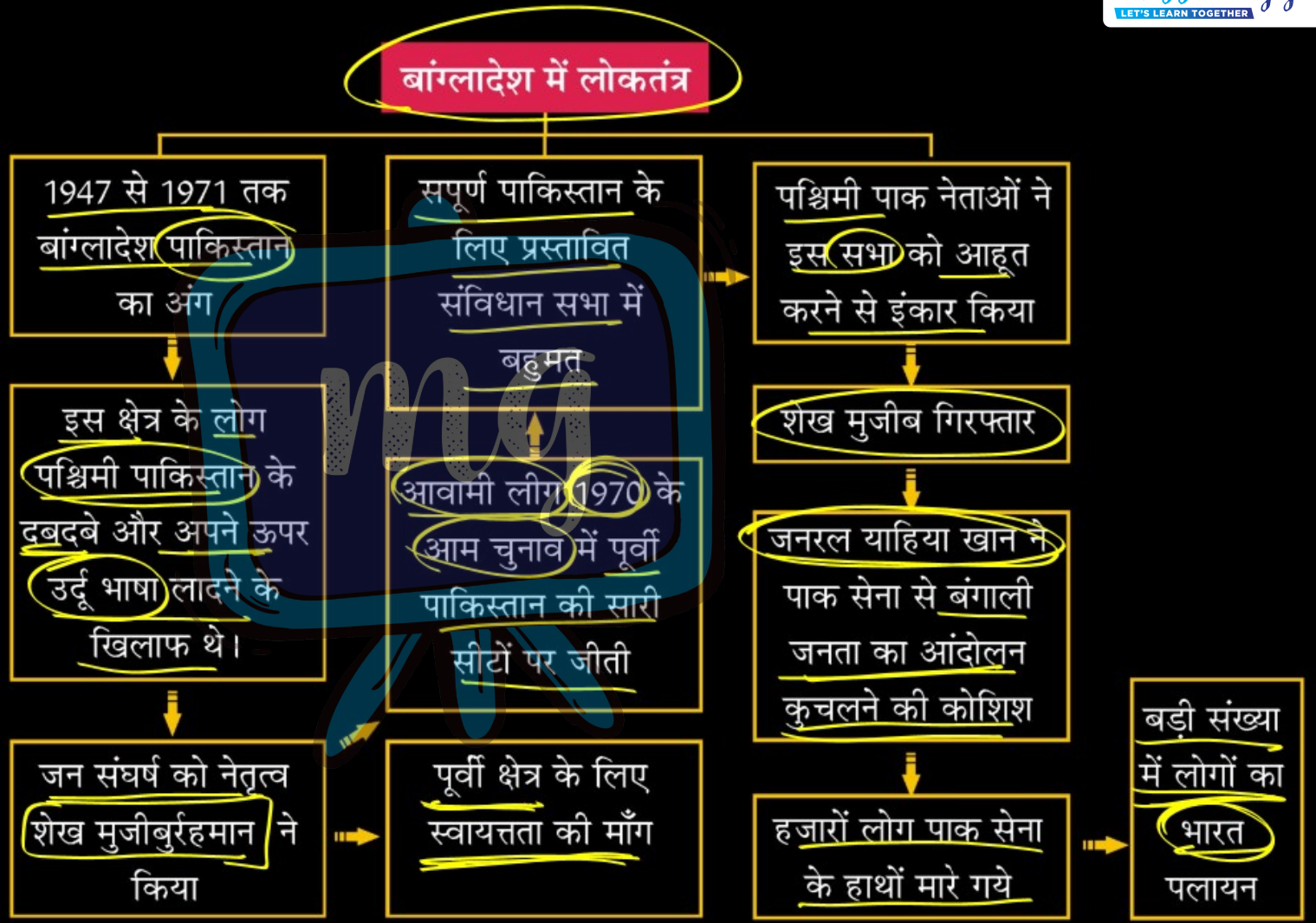
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

उजला पहलू :-

- पाकिस्तान में लोकतंत्र का जज्बा बहुत मजबूती के साथ कायम।
- पाकिस्तान में अपेक्षाकृत स्वतंत्र और साहसी प्रेस मौजूद है।
- यहाँ मानवाधिकार का आंदोलन भी काफी मजबूत है।

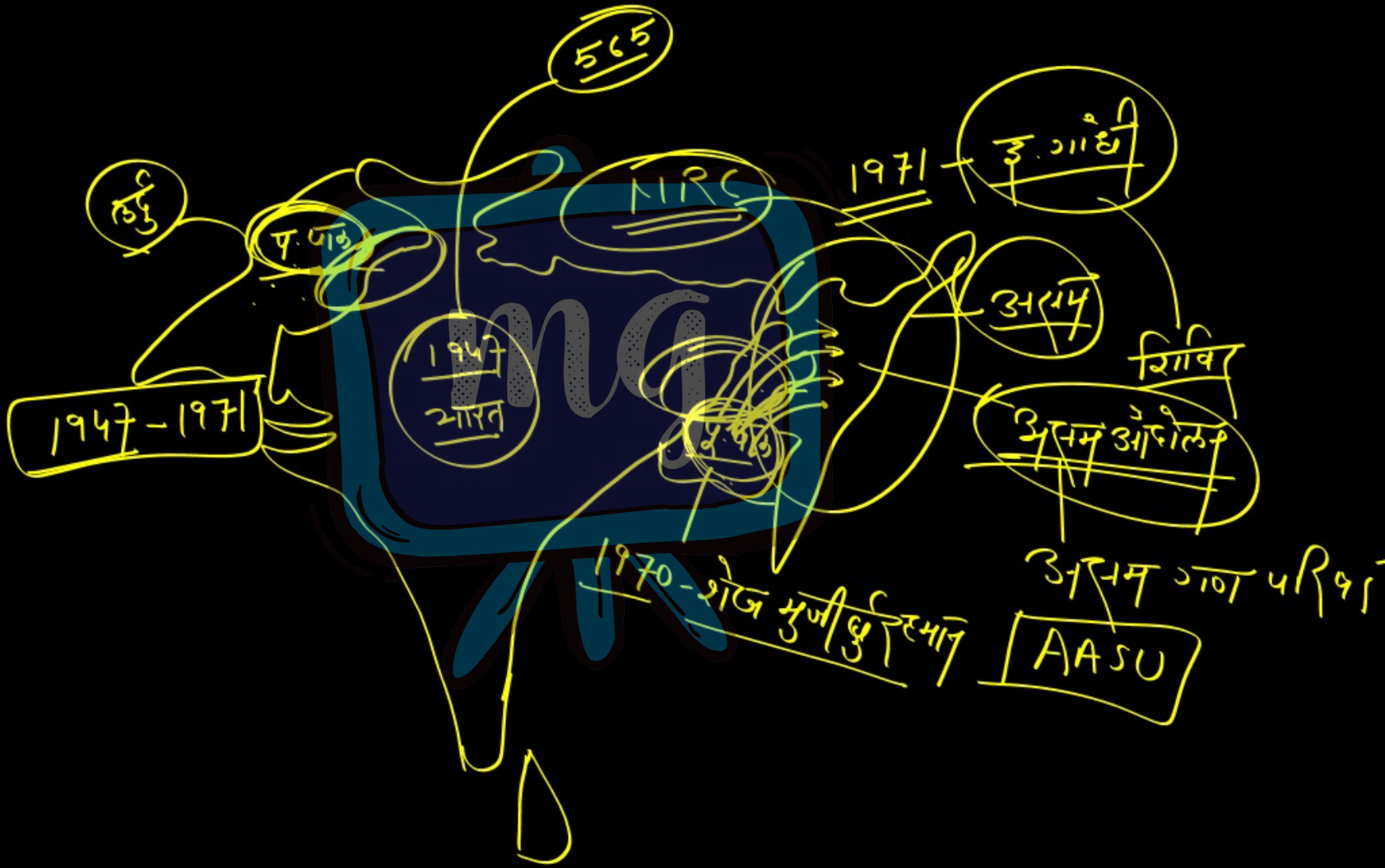
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



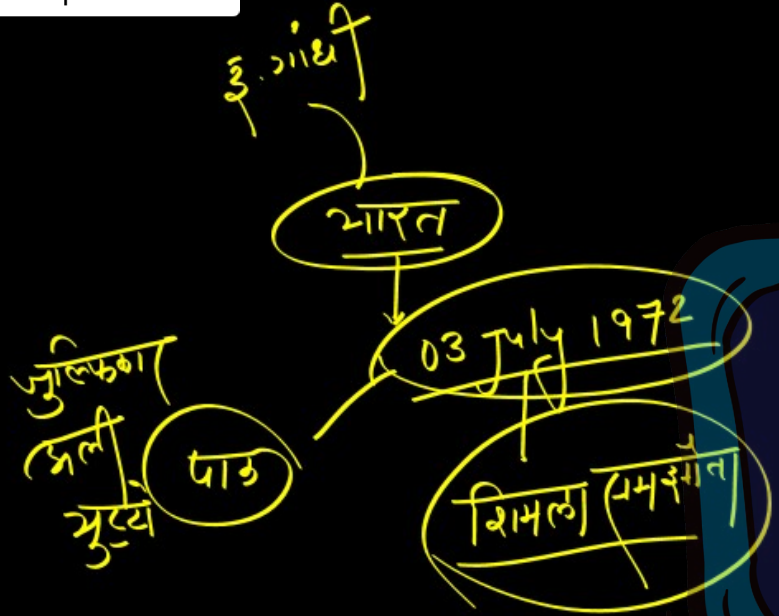
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



अब आये :-

- भारत के सामने शरणार्थियों को संभालने की समस्या।
- भारत सरकार का पूर्वी पाकिस्तान के लोगों की आजादी की मांग का समर्थन और उन्हें सैन्य एवं वित्तीय सहायता।

परिणाम → भारत-पाक युद्ध 1971

↓

पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी सेना का आत्मसमर्पण

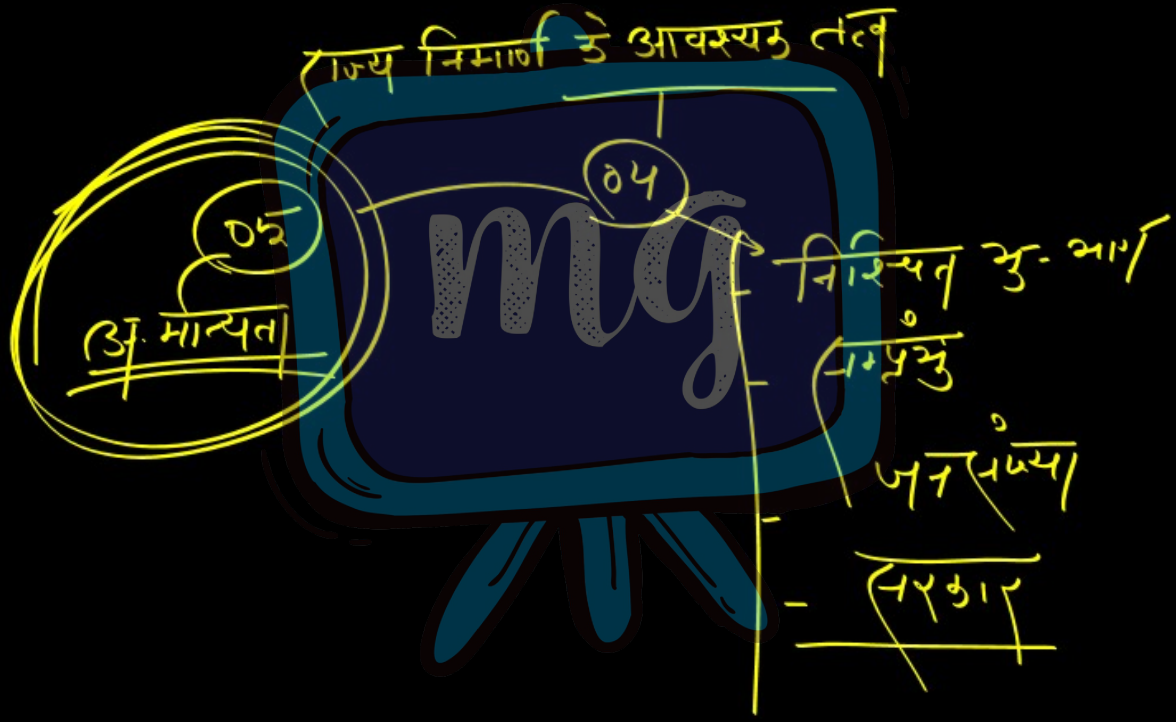
↓

स्वतंत्र राष्ट्र बांग्लादेश का निर्माण

मान्यता

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अब और आगे :-

- बाग्लादेश ने अपना संविधान बनाकर उसमें अपने को एक धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रित समाजवादी देश घोषित किया।
- 1975 में शेख मुजीबुर्रहमान ने संविधान में संधोधन कराया और संसदीय प्रणाली की जगह अध्यक्षात्मक शासन प्रणाली को मान्यता मिली।
- शेख मुजीब ने अपनी पार्टी आवामी लीग को छोड़कर अन्य सभी पार्टियों को समाप्त कर दिया।
- तनाव व संघर्ष
- सेना की शेख मुजीब के खिलाफ बगावत
- शेख मुजीब सेना के हाथों मारे गये।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

शेख मुजीबुर्रहमान
|
जियाउर्रहमान
|
H.M इरशाद

- नये सैनिक-शासक जियाउर्रहमान ने अपनी बांग्लादेश नेशनल पार्टी बनायी और 1979 के चुनाव में विजयी रहे।
- जियाउर्रहमान की हत्या :- लेफ्टिनेंट जनरल एच एम इरशाद के नेतृत्व में एक और सैनिक शासन।
- बांग्लादेश की जनता लोकतंत्र के समर्थन में उठ खड़ी हुई।
- बाध्य होकर जनरल इरशाद ने एक हद तक राजनीतिक गतिविधियों से छूट दी।
- जनता के व्यापक विरोध के आगे लेफ्टिनेंट जनरल इरशाद को पद छोड़ना पड़ा।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



1991 में चुनाव हुए।

इसके बाद से बहुदलीय चुनावों पर आधारित प्रतिनिधिमूलक लोकतंत्र यहाँ कायम है।